Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding road connectivity from Manali-Leh via Spiti to Chandigarh, Ambala or Bilaspur.

श्री जामयांग शेरिंग नामग्याल (लद्दाख): सर, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे लोक महत्व के मुद्दे को सदन में उठाने का मौका दिया है। आप सभी भली-भांति जानते हैं कि सर्दी के मौसम में लद्दाख 12 महीने देश के मेन लैंड से कटे रहता है। उसी प्रकार हिमाचल प्रदेश की जो स्पीति वैली है, जहां की कल्चर-भाषा सब कुछ सेम है, वह भी कटा रहता है। लद्दाख और स्पीति वैली वाले लोगों की काफी समय से एक मांग रही है और आज भी वे मांग कर रहे हैं कि मनाली से लेह एग्जिस्टिंग नेशनल हाइवे 543 किलोमीटर का है, अटल टनल की शुरुआत मोदी जी द्वारा करने के बावजूद भी चार पासेज बंद रहते हैं - बारालाचा ला, लाचुंग ला, नकी ला, टागलांग ला। हमारे यहां के लोग चाहते हैं कि स्पीति, काजा से होकर त्सो मोरीरी लेक के बीच में केवल 100 किलोमीटर की दूरी है, वहां से एक रोड बने। लेह से स्पीति होकर, चाहे आप उससे चंडीगढ़, अंबाला या बिलासपुर जोड़े, वहां एक नेशनल हाइवे कम समय में निकलने वाला और कम खर्चे पर बन सकता है। यहां एक भी टनल की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और वह 12 महीने खुला रहेगा। वह एक डिफेंस स्ट्रेटजिकल रोड भी बनेगा और टूरिज्म के लिए भी वाएबल होगा। बिलासपुर-मनाली-लेह इस देश का एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है और एक एम्बिशियस प्रोजेक्ट भी है, वह भी एग्जिस्टिंग एलाइनमेंट को पकड़ कर मनाली से लेह जा रहा है। जहां आपको चार टनल्स निकालने की जरूरत पड़ेगी। यह पता नहीं है कि उसमें कितनी लागत और कितने साल लगेंगे। इसलिए हम मांग करते हैं कि मनाली-लेह से स्पीति होकर किन्नौर से चंडीगढ़, अंबाला या बिलासपुर जोड़े। यह कम समय में कम खर्चे में बनने वाला रोड है, इस चीज को मंत्रालय नोट करके, इस पर एक्सरसाइज करे और इसकी फिजिबिलिटी चेक करे। अगर इसको भारत सरकार अप्रूवल देती है, तो दो वर्किंग सीजन में यह रूट कनेक्ट हो जाएगा, जिससे हमारे बॉर्डर 12 महीनों के लिए देश से जुड़ जाएगा।

मैं आपके माध्यम से यह सरकार से मांग करना चाहता हूं। धन्यवाद।